दृष्टि The Vision

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - III)

GENERAL STUDIES (Test - III)

मॉड्यूल - III / Module - III

DTVF/18–M–**GS3**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Ravi Kumar Sihag

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____

ई-मेल पता (E-mail address): ____

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 16/01/2018 – 03

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): [signature]

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

Section	Grade
Introduction	B
Context	B
Language	B
Content	B
Conclusion	B
Structure	B
Current Link / Examples	B

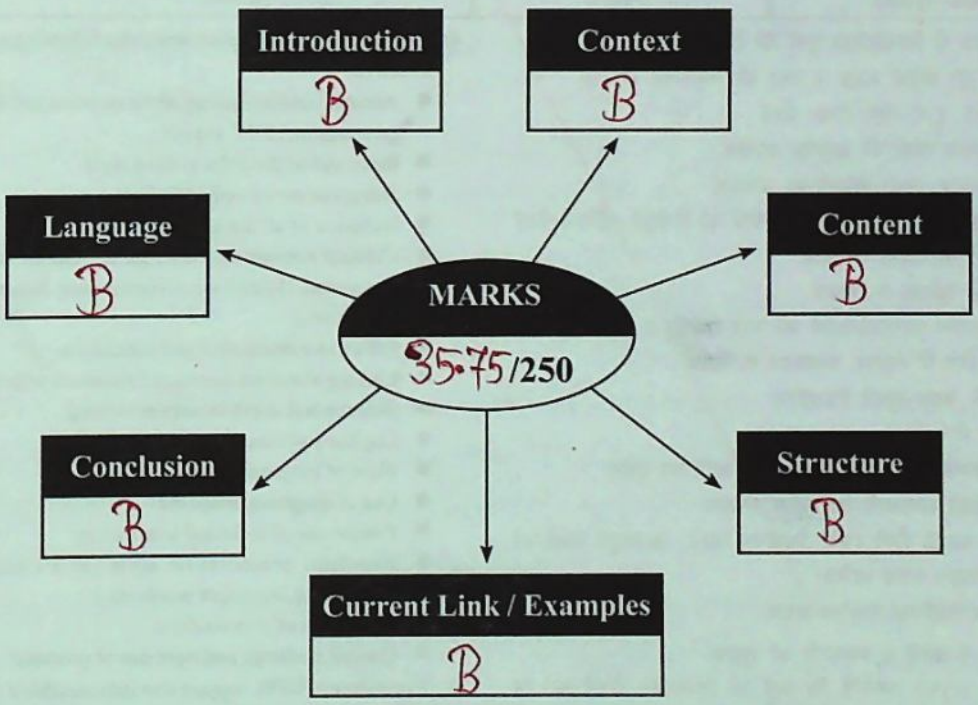

MARKS: 35.75/250

109 A Anand Shukla

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. क्या कारण है कि भारत आज भी औद्योगिक उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं हो सका है? भारत के औद्योगिक सशक्तिकरण एवं आयात प्रतिस्थापन में 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम किस सीमा तक सहायक सिद्ध हो सकता है? (150 शब्द) 10

What are the reasons that India is still not self sufficient in industrial production? To what extent 'Make in India' can prove helpful in industrial empowerment and import substitution for India? (150 words) 10

4.25

भारत एक कृषि प्रधान देश है और आजादी के बाद से ही उद्योगों के विकास एवं उत्पादन बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है परन्तु वांछनीय सफलता प्राप्त नहीं हुई है इसके कारण हैं

(क) कृषि उत्पादन कम होने के कारण कच्चे माल की समस्या

(ख) आधारभूत संरचना एवं परिवहन, यातायात के साधनों की कमी।

(ग) पर्याप्त वित्त व्यवस्था की कमी

(घ) ऊर्जा क्षेत्र का पर्याप्त विकास नहीं फलस्वरूप उद्योगों की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति नहीं

(ङ) उद्योगों का बाजारों के साथ उचित संपर्क नहीं। आपूर्ति शृंखला में सुधार में कमी होना। औद्योगिक क्रियाओं में विविधता का अभाव

(च) प्रशासनिक समस्याएँ एवं राजनीतिक दूरदर्शिता का अभाव पॉलिसी पैरालाइसिस, सार्वजनिक उपक्रमों पर राजनीतिक दबाव, भ्रष्टाचार से संबंधित समस्याएँ।

इन संदर्भ में भारत सरकार द्वारा लाया गया महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'मेक इन इंडिया' इन समस्याओं के समाधान में सहायक सिद्ध होगा क्योंकि

(क) देश में उत्पादन में प्रोत्साहन जिससे उत्पादन लागत कम होगी व आत्मनिर्भरता आएगी।

(ख) उचित रोजगार मिलेगा। जिससे जनता की आय

-भारत में निम्न औद्योगिक उत्पादन की स्थिति की चर्चा करते हुए भूमिका लिखें

-औद्योगिक पिछड़ेपन के कारणों की चर्चा नीतिगत स्तर पर करें

-मेक इन इंडिया को स्पष्ट करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

में वृद्धि होगी फलस्वरूप मांग में वृद्धि होगी तथा
(स) आयात पर निर्भरता कम होगी।

→ परन्तु इन सब ~~उपाय~~ परिणामों हेतु निम्न उपाय जरूरी:
(अ) ~~FDI~~ एफ.डी.आई. नीतियों में उचित सुधार जरूरी
(ब) श्रम नीतियों में सुधार
(स) एक उचित कुशल व दक्ष श्रम बल का गठन करना
(द) अवसंरचना विकास को बढ़ाना → (सड़के, परिवहन)
(य) लॉजिस्टिक लागत को कम करना
(र) सभी उद्योग संबंधों को उचित रूप से मजबूत बनाना

Good

इस सब उपायों को करने से ही मेक इन इंडिया कार्यक्रम अपने वास्तविक लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल होगा।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

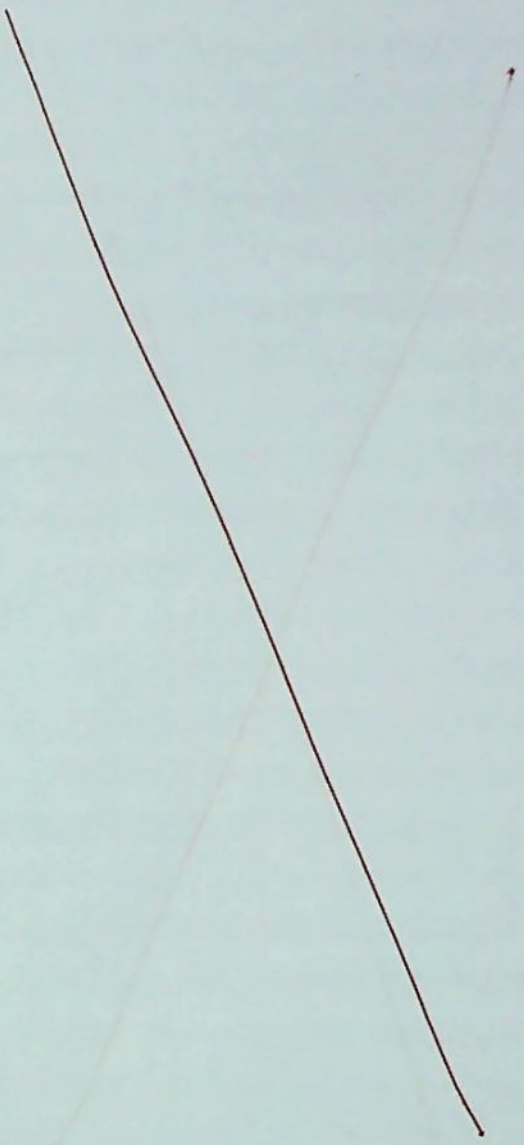

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.5	0	0.5	✓
Grade	B	B	B	B	D	A	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. वर्तमान युग में बदलते पर्यावरणीय परिदृश्य में लगातार दूषित होती 'नगरीय जलवायु' मानवीय क्रियाकलापों का ही एक उप-उत्पाद है। टिप्पणी करें। (150 शब्द) 10

In the present age of changing environmental scenario the continuous degradation of 'Urban Climate' is a byproduct of anthropogenic activities. Comment. (150 words) 10

~~डब्ल्यू. एच. ओ. की दस लाख से अधिक आबादी के शहरों की सूची में भारत के~~

2.5

डब्ल्यू. एच. ओ. की प्रदूषित शहरों की सूची में भारत के दस लाख से अधिक आबादी के सभी शहर विद्यमान है। स्पष्ट है कि इस भयानक स्थिति का मुख्य कारण प्राकृतिक न होकर मानव जनित है। इसे हम नई दिल्ली के प्रदूषण का उदाहरण से समझते हैं, जो कि प्रदूषण के सभी कारण मानव जनित हैं

(i) औद्योगिक क्रियाओं से निकलता धूँआ, जहरीली गैसे

(ii) पंजाब, हरियाणा के किसानों द्वारा फसल कटाई के बाद पराली जलाई की क्रिया।

(iii) बढ़ते हुए निजी वाहनों की संख्या, सार्वजनिक परिवहनों की घटती संख्या, कम उपयोग किया जाना, उन्हें असुरक्षित के रूप में माना जाना।

(iv) नियोजित आवासन का न होना अर्थात आवासों को उद्योगों के समीप या उद्योगों के आवासों के समीप स्थापित किया जाना।

(v) नगरीय कचरे का उपयुक्त निपटान न किया जाना, उसे नगर के बाहर ढेर के रूप में यूँ ही फेंक दिया जाता है फलस्वरूप जहरीली गैसे पैदा होती है, जो शहरी जलवायु को प्रदूषित करती है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि मानव द्वारा अपनी भौतिक लालसाओं की पूर्ति हेतु प्राकृतिक संसाधनों का

— सर्वप्रथम वर्तमान परिदृश्य की चर्चा करते भूमिका लिखें

— अपर्याप्त प्रभावों का प्रभावी विश्लेषण करें

— समाधान के उपाय सुझाते हुए निष्कर्ष लिखें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

निर्ममतापूर्वक दोहन किया है जिसे नगरीय जलवायु प्रदूषण के रूप में देखा जा सकता है।

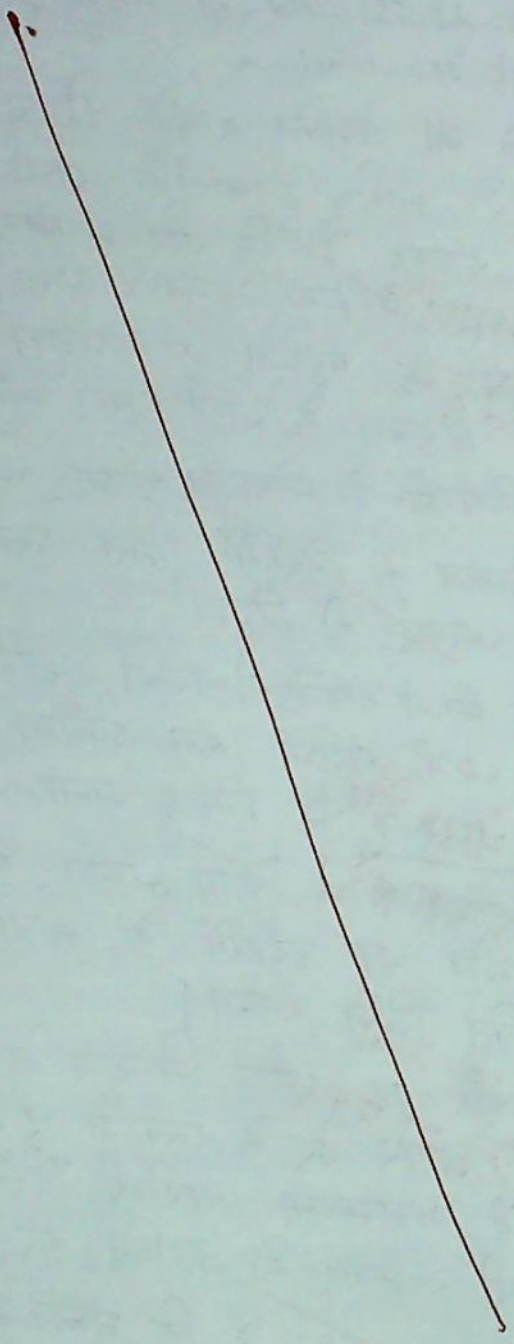

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. 'एनाबेटिक' एवं 'कैटाबेटिक' पवनों से आप क्या समझते हैं? स्थानीय मौसम पर इनके प्रभाव की सोदाहरण व्याख्या करें। (150 शब्द) 10

What do you mean by 'Anabatic' and 'Katabatic' winds? Discuss its effect over local weather with examples? (150 words) 10

1

कैटाबेटिक ~~एनाबेटिक~~ पवनें - दिन के समय जब पर्वत एवं घाटी के ऊपर सूर्य का प्रकाश पड़ने पर पर्वतों की ढाल अधिक गर्म हो जाती है, जिसके फलस्वरूप वहाँ पर 'निम्न दाब' बनता है एवं घाटी में कम तापमान होने के कारण 'उच्च दाब'। फलस्वरूप पवनें घाटी से पर्वत की ओर बहती हैं।

—एनाबेटिक पवनें

प्रभाव :- पर्वतीय ढालों पर वर्षा का होना। फसलों की वृद्धि

→ बर्फ पिघलना
→ पारागम विकास
→ शीतल वायु प्रवाह

? —गलत है। सुधार करें।

एनाबेटिक पवनें :- रात्रि के समय जब पर्वतों की ढाल घाटियों से अधिक ठंडी हो जाती है तो ठंडी होने के वहाँ पर उच्च दाब पैदा होता है जिसके कारण पर्वतों की ढाल से घाटियों की ओर ठंडी हवाएँ बहती हैं, जिन्हें एनाबेटिक पवनें कहा जाता है।

—कैटाबेटिक पवनें

?

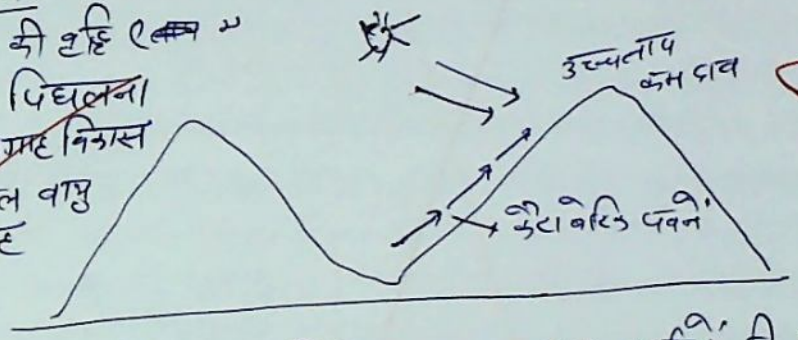

→ इन पवनों के फलस्वरूप घाटियों का तापमान कम होकर पाला पड़ता है जिससे फसलों का नुकसान पहुँचता है। इसके अलावा तापीय विसंगति की स्थिति होती है जिससे धुंध या कोहरे का भी प्रकोप दिखाई पड़ता है।

—उत्तर में सुधार करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

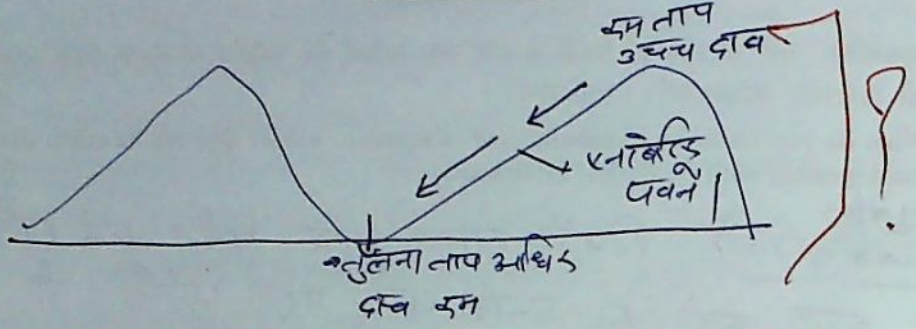

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

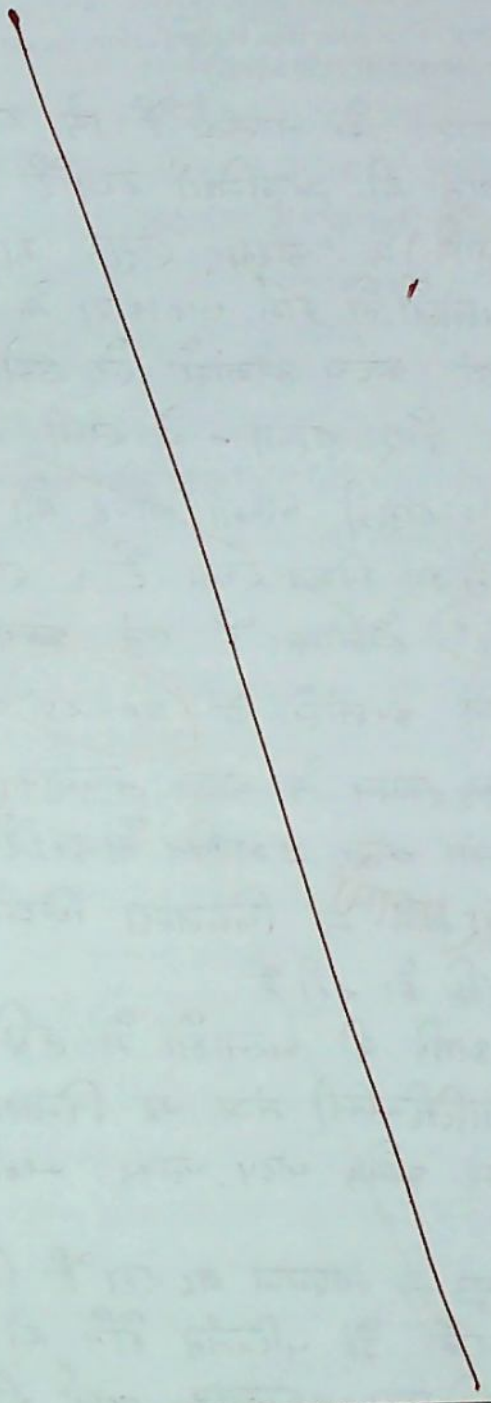

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0.5	0.5	0	0	✓
Grade	D		D	B	D	D	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

8. 'समुद्री ऊष्मा बजट' अवधारणा को स्पष्ट करें। वैश्विक तापन की समकालीन प्रवृत्ति इसे किस प्रकार असंतुलित कर रही है? (150 शब्द) 10

Explain the concept of 'Oceanic Heat Budget'. How, the contemporary trend of global warming is imbalancing it? (150 words) 10

1.5

'समुद्री ऊष्मा बजट' से तात्पर्य है कि समुद्र का वार्षिक ऊष्मा के प्रवाह की प्रवृत्तियाँ क्या हैं। समुद्री धाराएँ, अन्य वैश्विक आदि के कारण समुद्र का निम्न अक्षांसों से उच्च अक्षांसों में गर्म जलधारा के माध्यम से ऊष्मा का प्रवाह एवं उच्च अक्षांसों से ठंडी जलधारा का भूमध्यरेखा की ओर बहना - ये सभी प्रवृत्तियाँ; पवनें, सूर्यातप आदि समुद्री ऊष्मा बजट को निर्धारित करते हैं। यह हमेशा नियत रहता है। समुद्र का औसत तापमान 2-5° सेल्सियस है एवं सतह का तापमान विशेषतः निम्न अक्षांसों में 20-25° सेल्सियस है।

वैश्विक तापन के कारण तापमान वृद्धि के कारण समुद्र का ऊष्मा बजट प्रभावित हो रहा है जैसे

(क) ध्रुवों और ग्लेशियरों का पिघलना। जिससे समुद्री जल-स्तर में वृद्धि हो रही है

(ख) चक्रवात, आदि की घटनाओं में वृद्धि।

(ग) समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का विनाश होना क्योंकि उच्च ताप पर अनेक पादप, प्लवक, मछलियाँ आदि मर जाते हैं।

(घ) इससे समुद्र का तापमान बढ़ रहा है जिससे समुद्री धाराओं के चक्रों में परिवर्तन होने की संभावना बनती है जिसका दुष्प्रभाव वर्षा की अनियमितता आदि के रूप में सामने आ रहा है।

– समुद्री ऊष्मा बजट
– मॉडल उत्तर देखें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

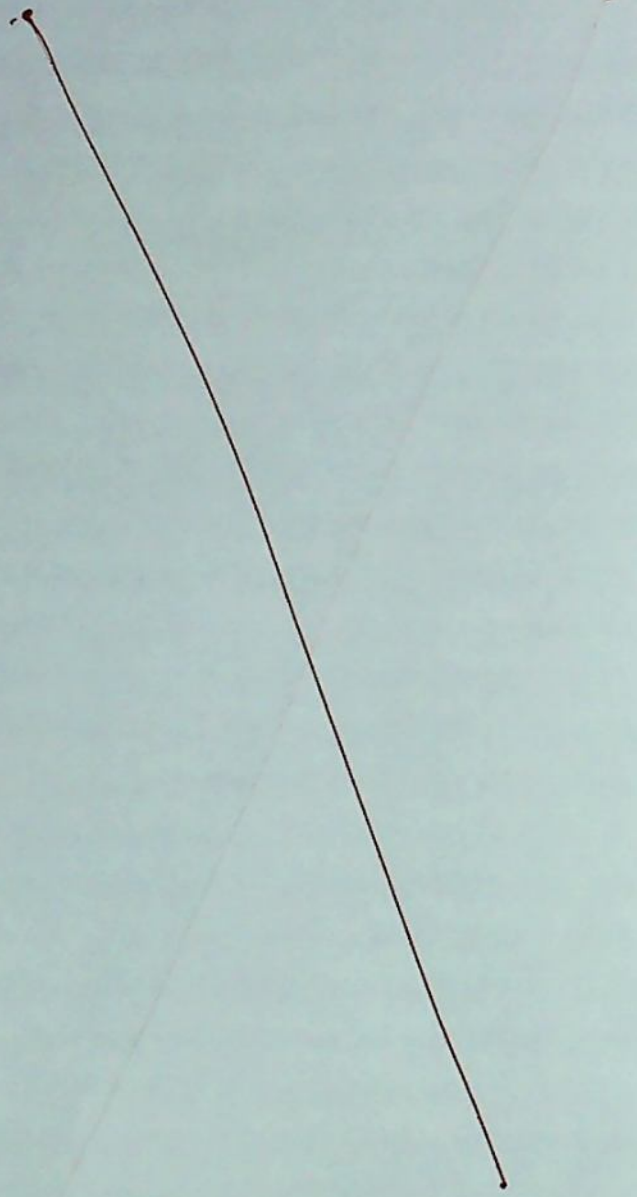

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0.5	0.5	0.5	0	0	✓
Grade	D	D	D	B	D	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

9. 'जैविक ऊर्जा' देश की ऊर्जा सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, फिर भी बहुविध कारणों से भारत में जैविक ऊर्जा का उत्पादन इसकी विद्यमान क्षमता से काफी निम्नतर है। विवेचना करें। (150 शब्द) 10

'Bioenergy' can play an important role in energy security of the country, Even then due to various reasons the production of bioenergy in India is much lower than its existing potential. Discuss. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

3

'जैविक ऊर्जा' से तात्पर्य है जीवित उत्पादों आदि का प्रयोग कर उन्हें ऊर्जा में रूपान्तरित करना। उदाहरण के लिए आशय, रतनजोत आदि से एथेनॉल का निर्माण करना। इसके अलावा पशुओं से प्राप्त होने वाले गोबर से बायोगैस संयत्र का निर्माण कर भी ऊर्जा प्राप्त की जाती है।

भारत में जैविक ऊर्जा हमारी क्षमता से कम है। भारत एक कृषि प्रधान देश है जहाँ फसल अपशिष्ट भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद है। साथ ही, पशुधन अपशिष्ट में भी काफी मात्रा विद्यमान है। क्षमता के इस अंतर के निम्न कारण है-

(अ) उचित सरकार नीति का अभाव

(ब) अपशिष्टों के एकत्रीकरण, परिवहन, भंडारण अवसंरचना का अभाव।

(स) अपशिष्टों से एथेनॉल आदि के निर्माण की सस्ती तकनीकों का अभाव।

(द) किसानों द्वारा फसल अपशिष्टों को जला दिया जाना।

(य) कुछ मुद्दे खाद्य सुरक्षा को लेकर भी है कि यदि इन फसलों (गन्ना, रतनजोत) को अधिक उगाया जाता है तो खाद्य सुरक्षा प्रभावित होने की आशंका।

वर्तमान में इस दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार द्वारा 'मेथेनॉल अर्थव्यवस्था' हेतु उचित नीति का निर्माण तथा अनुसंधान की दृष्टि

संकल्पना में सुधार करें।

-जैविक ऊर्जा को स्पष्ट करें

-भारत में जैविक ऊर्जा वर्तमान क्षमता

-सुव्यवस्थित प्रस्तुत है

-इसमें सुधार के लिए प्रयास किये जा रहे हैं

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

से तिरुवंतपुरम के वैज्ञानिकों द्वारा कपास के डंठलों से एथेनॉल का निर्माण भी एक बड़ी उपलब्धि है।

पूरा और स्पष्ट उत्तर लिखने का प्रयास करें।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

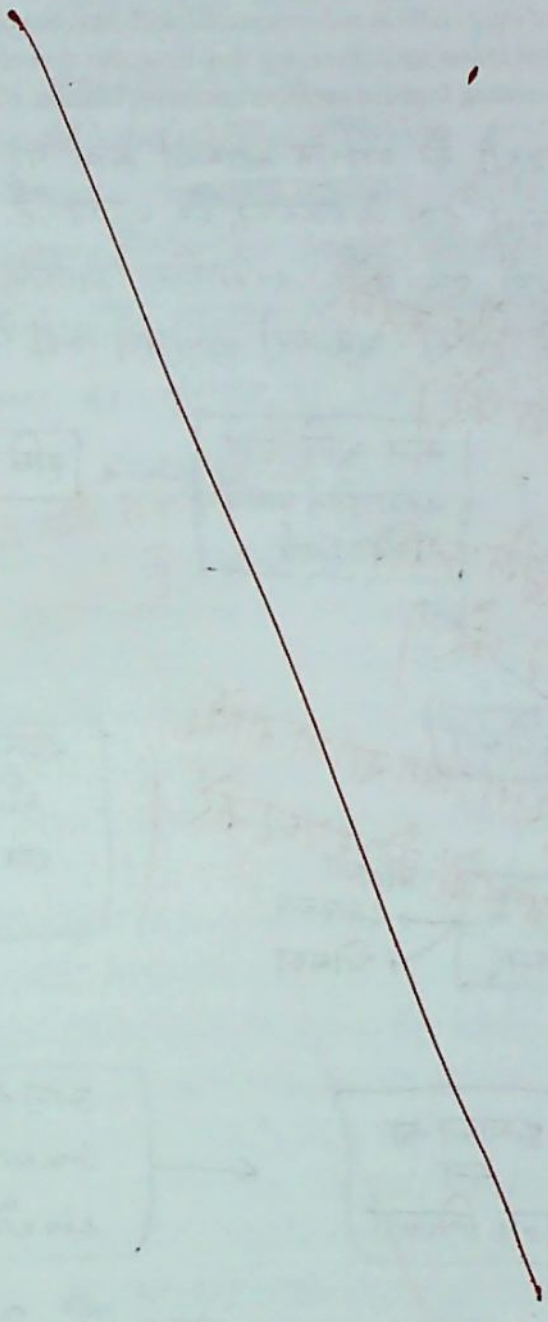

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.5	0.25	0	✓
Grade	B	C	C	B	B	D	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

10. कृषि के सहायक क्षेत्रों में मूल्यवर्द्धन एवं व्यावसायिक दक्षता का अभाव, न केवल भारतीय कृषि के पुनरुद्धार में अवरोधक सिद्ध हो रही है, अपितु यह खाद्य एवं पोषण असुरक्षा सहित सामाजिक-आर्थिक विकास की गति को भी मंद किये हुए है। व्याख्या करें। (150 शब्द) 10

The absence of value addition and commercial skills have not only proved a road block in the revival of Indian agriculture, but they have also slowed down socio-economic development creating food and nutrition insecurity. Discuss. (150 words) 10

6

भारत की आधी से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर है एवं कृषि का विकास देश के विकास से जुड़ा है। कृषि का पिछड़ापन जहाँ एक ओर सामाजिक-आर्थिक विषमताओं को जन्म देता है वहीं दूसरी ओर भुखमरी कुपोषण भी पैदा करता है।

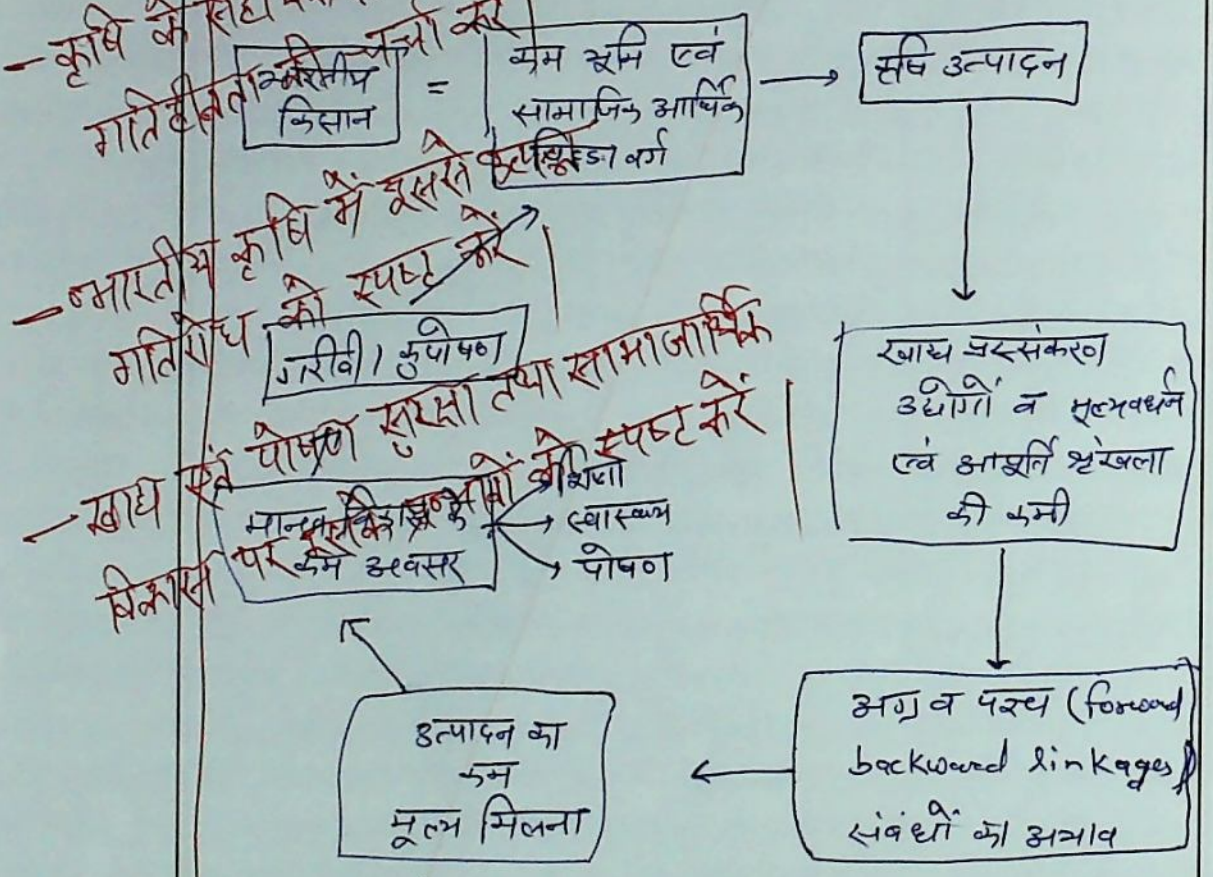

- कृषि के सहायक क्षेत्रों की गतिहीनता की चर्चा करें
- भारतीय कृषि में इससे गतिरोध को स्पष्ट करें
- खाद्य एवं पोषण सुरक्षा तथा सामाजार्थिक विकास पर इनके प्रभावों को स्पष्ट करें

इस प्रकार यह एक कुचक्र है जो हमेशा विद्यमान है। यदि भारतीय कृषि में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विकास एवं व्यवसायीकरण से किसानों की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7

अच्छी फसलें उगाने हेतु प्रोत्साहन मिलेगा, उनको फसल का अधिक मूल्य प्राप्त होगा क्योंकि उनका संबंध सीधे उद्योग या कंपनी से स्थापित होगा। उच्च आय के फलस्वरूप वह मानव विकास संसाधनों पर अधिक व्यय कर पाएगा जिससे सामाजिक-आर्थिक विकास एवं पोषण सुरक्षा प्राप्त होगी। इससे साथ-साथ इन उद्योगों के कारण अवसंरचना का भी निर्माण होगा (सड़के, शीतगृह, भंडारण घर) जिसमें ग्रामीण जनता को रोजगार भी प्राप्त होगा।

प्रश्न भारतीय कृषि नहीं बल्कि उसके सहायक क्षेत्रों से संबंधित है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

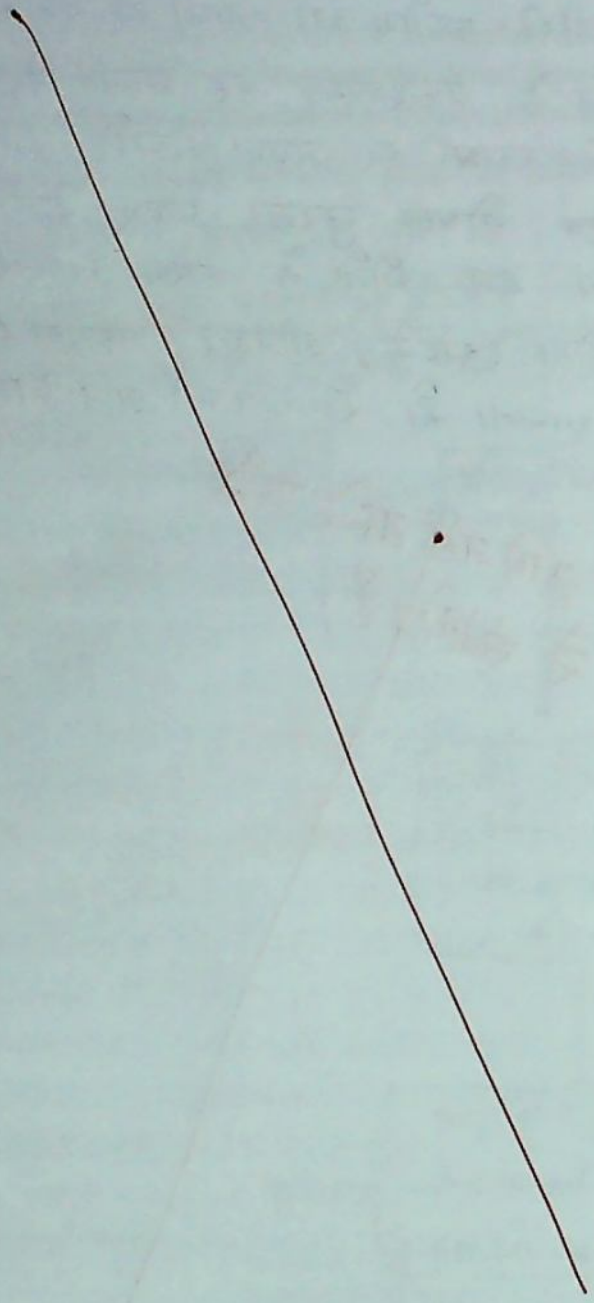

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0	0	0	0	X
Grade	D			D	D	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

11. मृदा निम्नीकरण एक गंभीर पर्यावरणीय समस्या है जिसका सामाजिक, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक दुष्परिणाम भी चिंतनीय है। विवेचना करें। (250 शब्द) 15

Soil degradation is a serious environmental threat having social, economic and psychological impacts, which is a matter of concern. Discuss (250 words) 15

5.25

Good

विभिन्न प्राकृतिक एवं मानवीकृत कारकों के द्वारा मृदा की संरचना, रंग, उपजाऊपन का खत्म होना मृदा का निम्नीकरण कहलाता है। मृदा की अम्लीयता, लवणीयता, क्षारीयता, मरुस्थलीकरण, मृदा प्रदूषण आदि मृदा निम्नीकरण के ही घटक हैं जिनके फलस्वरूप उत्पादन कम होता है एवं अनेक दुष्प्रभाव सामने आते हैं।

- मृदा निम्नीकरण के कारणों की चर्चा करें
- मृदा निम्नीकरण के पर्यावरणीय प्रभावों को लिखा जा सकता है

① आर्थिक दुष्परिणाम :⇒ भारत में आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों का अध्ययन करने पर हम पाते हैं कि ये क्षेत्र मृदा निम्नीकरण की समस्या में स्थित हैं। चंबल के बीहड़ (अम्लीयता), मध्यप्रदेश के कुछ क्षेत्र (लवणता) इसके अलावा कावेरी बेसिन के कुछ क्षेत्र व कच्छ क्षेत्र भी इसी समस्या से ग्रस्त हैं।

(क) मृदा निम्नीकरण से कम उत्पादन फलस्वरूप कम आय। (आजीविका हानि)

(ख) फसलों का विविधीकरण असंभव क्योंकि लवणीय क्षारीय मृदा में कम फसलें (गेहूं, जौ, सरसों ही उगाई जा सकती हैं।

(ग) मृदा सुधार में लागत ज्यादा आती है जिससे किसान का कुल लाभ कम हो जाता है फलस्वरूप गरीबी को बढ़ावा मिलता है

② सामाजिक दुष्प्रभाव :- भारत के भूमिहीन किसान, काश्तकार आदि सामूहिक रूप

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

से पिछड़े हैं। यदि वे निम्नीकृत मृदा पर कृषि करते हैं, तो कम उत्पादन आय के कारण उनका मानव विकास अवरुद्ध हो जाता है क्योंकि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, एवं पोषण पर खर्च करने में असफल रहते हैं। इसके अलावा साहूकारों के कर्जजाल में फंसने के कारण पूंजी प्रवाह से वंचित रहते हैं और हमेशा निम्न स्थिति में रहने को मजबूर रहते हैं।

— अच्छा प्रयास है। सुधार की आवश्यकता है। पूंजी निर्माण के तरीके में।

(3) मनोवैज्ञानिक प्रभाव:- इन प्रभावों को किसानों की आत्महत्या से जोड़कर देखा जा सकता है। पंजाब में आत्महत्याओं की संख्या इसलिए अधिक है क्योंकि वहाँ अधिक जल सिंचाई, उर्वरकों के प्रयोग से मृदा लवणीय हो गई है जिससे उत्पादन व आय दोनों के कम होने से किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो जाते हैं। महाराष्ट्र के विदर्भ, तेलंगाना के कुछ क्षेत्रों में भी मृदा निम्नीकरण के ऐसे ही दुष्प्रभाव सामने आते हैं।

— समाधान की ओर उल्लेख करते हुए लिखें।

इस प्रकार मृदा निम्नीकरण एक बहुआयामी समस्या है जो भारतीय किसान को अनेक पक्षों से प्रभावित कर देश का विकास अवरुद्ध कर रही है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

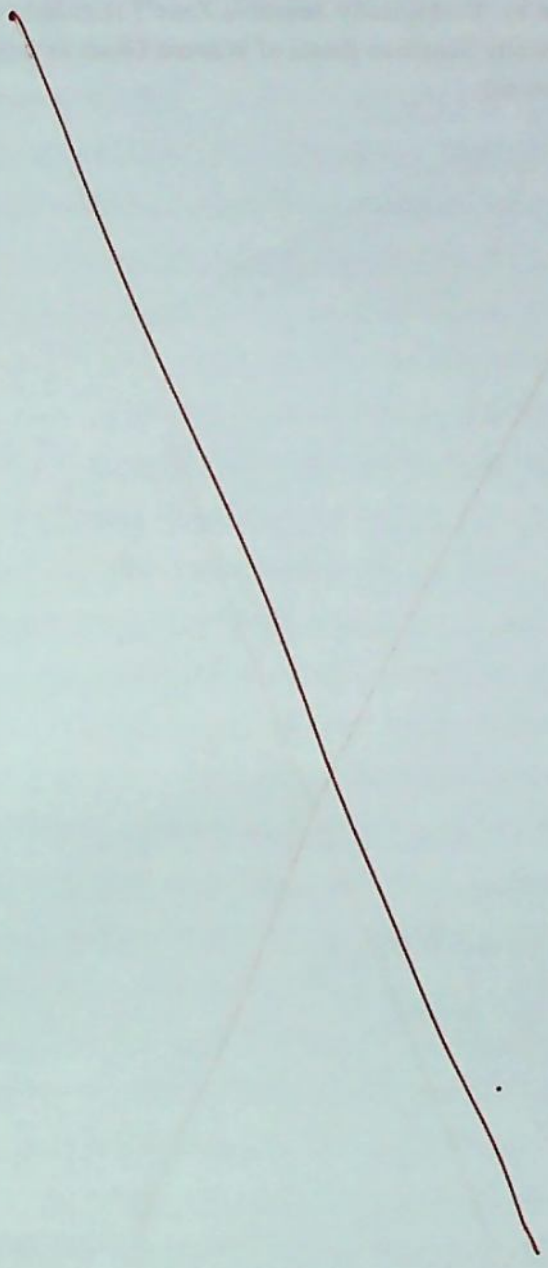

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	2.5	1.5	0.5	0.25	0	X
Grade	A	B	C	B	B	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

13. पिछले डेढ़ दशक में न केवल प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता में लगभग 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, अपितु जल प्रदूषण की स्थिति भी जैविक समुदाय की उत्तरजीविता के लिये अधारणीय हो गई है। कथन पर प्रकाश डालें एवं इस दिशा में सरकार द्वारा की जा रही पहलों की चर्चा करें। (250 शब्द) 15

In last one and a half decade not only 20 percent decline has been recorded in per capita availability of water but also the condition of water pollution has become unsustainable for the survival of biological communities. Throw light on the statement and discuss the initiatives taken in this direction by the government. (250 words) 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

6.25

भारत एक मानसूनी जलवायु का देश है और यहाँ पर जल की उपलब्धता हेतु मानसून एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में जल उपलब्धता को प्रभावित करने का दो प्रमुख कारक है- (क) जलवायु परिवर्तन (ख) जल प्रदुषण।

जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में वर्षा का प्रतिरूप, तापमान वृद्धि एवं नदियों की बहाव प्रवृत्ति प्रभावित हुई है। एक अनुमान के अनुसार 2050 तक प्रति व्यक्ति जल मांग में 32% वृद्धि होने की संभावना है। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव निम्न हैं-

(क) तापमान वृद्धि जिससे पानी की कम उपलब्धता, जल मांग में वृद्धि (अधिक वाष्पीकरण के कारण)

(ख) फसलों की पकाव अवधि 1 माह तक कम हो जाती है जिससे उत्पादन में कमी आ जाती है (स्वामीनाथन रिपोर्ट के अनुसार)

(ग) भारत का मानसून चक्र प्रभावित होना।

दूसरा कारण जल प्रदुषण है जिसके कारण उपलब्ध जल भी पीने योग्य व अन्य घरेलू कार्यों हेतु प्रयुक्त नहीं रहता। उद्योगों, घरों द्वारा अपशिष्ट, भारी रसायनों के बहाव के कारण देश की अधिकांश नदियां प्रदुषित हो चुकी हैं। जिससे कि प्रतिव्यक्ति उपलब्धता

-भूमिका में कमी के कारणों को स्पष्ट करते

-जल उपलब्धता की वर्तमान स्थिति के आंकड़े बताते

-जल संकट के कारणों को स्पष्ट करें

कमी का कारण कैसे प्रकार है?

यह मान पीने योग्य जल की कमी का कारण है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(जल) पिछले डेढ़ दशक में 20% की कमी दर्ज की गई है।

भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास।-

(क) योजनागत प्रयास - (i) नदी जोड़ें परियोजना जिसके द्वारा देश की नदियों को (हिमालयी व प्रायद्वीपीय) को जोड़कर पेयजल व सिंचाई क्षमता को बढ़ाया जाए।

(ii) नमामि गंगे कार्यक्रम - गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने हेतु मई 2015 में चलाई जा रही परियोजना।

(iii) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना

(iv) ग्रामीण व शहरी विकास मंत्रालय की पेयजल परियोजनाएँ।

Good

(ख) कानूनी प्रयास

- जल प्रदूषण अधिनियम - 1974 - इसके तहत प्रदूषण बोर्डों की स्थापना की गई है जो जल प्रदूषण करने वाली इकाईयों पर लगाम लगाते हैं।
- इसके अलावा पर्यावरण से संबंधित अन्य अधिनियम भी हैं।

(ग) जागरूकता के प्रयास

- स्वच्छ भारत मिशन - स्वच्छता हेतु प्रयास, अपशिष्ट निपटान, खुले में शौच मुक्त - इससे भी व जल प्रदूषण को रोकने में सहायता मिलेगी।

- संक्षिप्त निष्कर्ष देते प्रयास करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

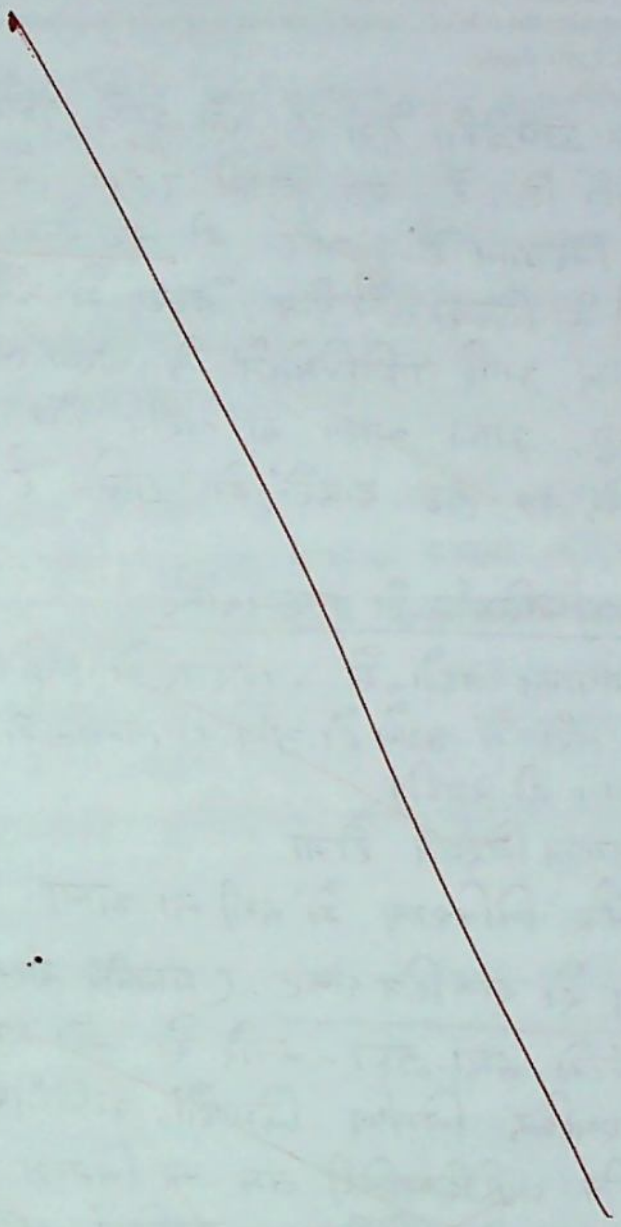

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2.5	2.5	0.5	0.5	0	X
Grade	B	B	B	B	A	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

14. 'भारतीय तटीय क्षेत्र एवं संबंधित पारिस्थितिकी तंत्र' आज किस प्रकार के संकटों से ग्रसित है? इसके समाधान में तटीय क्षेत्र प्रबंधन कार्यक्रम की भूमिका का परीक्षण करें। (250 शब्द) 15

What are the problems affecting the Indian Coastal Zone and the related Ecological Zone? Examine the role of Coastal Zone Management Programme as a solution to these problems. (250 words) 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

5.5

भारत एक प्रायद्वीपीय देश है जो इसके दक्षिण में हिन्द महासागर से घिरा है एवं इसकी 7500 किमी. लम्बी तटरेखा विद्यमान हैं। भारत की तट रेखा देश में बंदरगाहों के विकास, मैंग्रोव, डेल्टा में जैवविविधता, मछलीपालन आदि गतिविधियों के कारण लाभ प्रदान करती है। परन्तु, आज भारत का तटीय क्षेत्र व संबंधित पारिस्थितिक तंत्र कुछ संकटों से ग्रसित है जो मुख्यत: ये है:

अच्छा प्रयास है

① जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न संकट

(क) तापमान बढ़ने से जलस्तर में वृद्धि जिससे समुद्री जल तटों में आने से भूमि की लवणता में वृद्धि - उदा॰ खंभात की खाड़ी।

(ख) प्रवाल विरंजन होना

(ग) जैव विविधता में कमी का आना

② प्रदूषण से संबंधित संकट - (मानवीय कारक)

Good

(क) पर्यटकों द्वारा कूड़ा - कचरे से तटों का विनाश

(ख) अत्यधिक निर्माण क्रियाओं, अनियोजित आवास से तटीय पारिस्थितिकी तंत्र का विनाश

(ग) प्रदूषण से मैंग्रोव वनस्पतियों, मछलियों का मरना आदि कारण सामने आ रहे हैं।

इन सब संकटों को देखते हुए भारत सरकार द्वारा तटीय क्षेत्र प्रबंधन कार्यक्रम लाया गया जिसकी प्रमुख

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

विशेषताएँ निम्न है-
(ङ) तट के किनारे औद्योगिक क्रियाओं पर प्रतिबंध।
वस्तुतः इन्हें कुछ श्रेणियों में बांटकर (चार) इनका प्रबंधन किया जाता है।
(ख) इसके अन्तर्गत स्थानीय लोगों की आजीविका को बेहतर बनाने के प्रयास किए जाते हैं जिनमें सतत मछली पालन आदि तकनीकों का विकास आदि प्रमुख है
(ग) तटीय जैव विविधता जैसे - मैंग्रोव, डेल्टा आदि की जीव- जैवविविधता को संरक्षित करने का प्रयास किया जाता है।
(घ) उपर्युक्त सब प्रयासों के होने पर भी भारत के तटीय क्षेत्र खतरे में हैं। इसका प्रमुख कारण राजनीतिक शिथिलता, प्रशासनिक उदासीनता एवं स्थानीय लोगों की भागीदारी का अभाव है। आज भारतीय तटों एवं उनकी जैवविविधता को बचाने हेतु कड़े कानून बनाकर उनका समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

सामान्यीकृत
- अच्छा परंतु विश्लेषण है। सुधार करें
Good

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

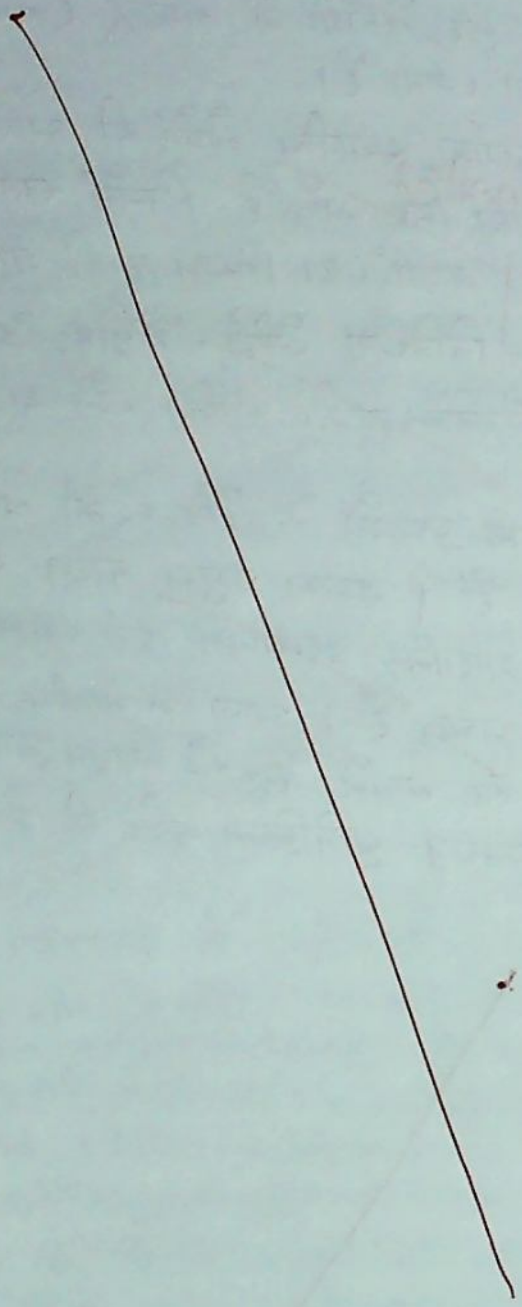

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	2.5	1.5	0.5	0	0.5	✓
Grade	A	B	C	B	D	A	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. बॉन में आयोजित 'संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन' (COP-23) सरकारों के लिये पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते को लागू करने और टिकाऊ, लचीला तथा जलवायु-सुरक्षित विकास को त्वरित करने का अगला कदम है। इस सम्मेलन के एजेंडा एवं उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कथन पर प्रकाश डालें। (250 शब्द) 15

'The UN Climate Change Conference' in Bonn is the next step for governments to implement the Paris climate change agreement and accelerate the transformation to sustainable, resilient and climate-safe development. Throw light on the statement while discussing the agenda and achievements of the Conference. (250 words) 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6.5

अमेरिका द्वारा पेरिस जलवायु समझौते से हटने के बाद इस वर्ष जर्मनी के बॉन शहर में हुआ 'संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन' एक दृष्टि में अत्यन्त महत्वपूर्ण साबित हुआ क्योंकि समस्त दुनिया की नज़रें इसी सम्मेलन पर टिकी थी कि अमेरिका के हटने पर अन्य देश क्या प्रतिक्रिया करेंगे (डोमिनो थ्योरी) या फिर मिलकर समस्या के समाधान का प्रयास करेंगे।

बॉन सम्मेलन के एजेंडे पर चर्चा करने पर हम पाते हैं कि इस सम्मेलन में पेरिस जलवायु समझौते को ही सम्पूर्णता एवं दृढ़ता से लागू करने पर प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इसके अन्तर्गत 21वीं सदी के अन्त तक सम्पूर्ण विश्व का तापमान 2° सेल्सियस (औद्योगिक क्रान्ति से पूर्व के तापमान से) से अधिक नहीं बढ़ने दिया जाएगा। इसमें भी विकसित देशों पर बाध्यताओं के साथ एवं विकासशील देशों पर जैव बाध्यकारी 'राष्ट्रीय निर्धारित जलवायु लक्ष्यों' के माध्यम से लक्ष्यों को प्राप्त करने की बात की गई।

कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ:

(क) कोयले का चरणबद्ध तरीके से फेज आउट करने की बात पर सहमति।

(ख) लिंग आधारित मुद्दों जो कि जलवायु परिवर्तन से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

उत्पन्न होंगे पर चर्चा
(स) कृषि कार्यों के फलस्वरूप हरितगृह गैसों के उत्सर्जन पर वार्ता
(द) 'तलानोआ वार्ता' - यह फिजी एवं प्रशान्त महासागरीय देशों में प्रचलित शब्द है जिसका अर्थ है कि शांतिपूर्ण, समावेशी बातचीत के माध्यम से मुद्दों का हल निकलना। इसमें यह व्यवस्था है कि प्रत्येक देश दूसरे देश के लक्ष्यों एवं जलवायु संरक्षण कार्यवाहियों पर चर्चा कर सकेंगे एवं बिना कोई विवाद एवं बहस के शांतिपूर्ण रूप से सुझाव देंगे व सुनेंगे। इस प्रकार यह जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को सहभागिता एवं लचीलेपन के माध्यम से प्रोत्साहन देगा।

Good

सारतः यह कहा जा सकता है कि यद्यपि इस समझौते की भी कुछ सीमाएँ रही हैं जैसे- अमेरीका के मुद्दे पर समाधान न निकलना, 2017 में जीएचजी गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि (2%), चीन द्वारा कोयले का अत्यधिक प्रयोग, विकसित देशों द्वारा वित्त व्यवस्था का स्पष्ट न होना। परन्तु फिर भी 'तलानोआ वार्ता' के माध्यम से प्रतिवर्ष मूल्यांकन एवं सहभागिता द्वारा पेरिस समझौते का विकास लचीलेपन से किया जा सकेगा।

Good

सराहनीय प्रयास है परंतु थोड़ा और सुधार अपेक्षित है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

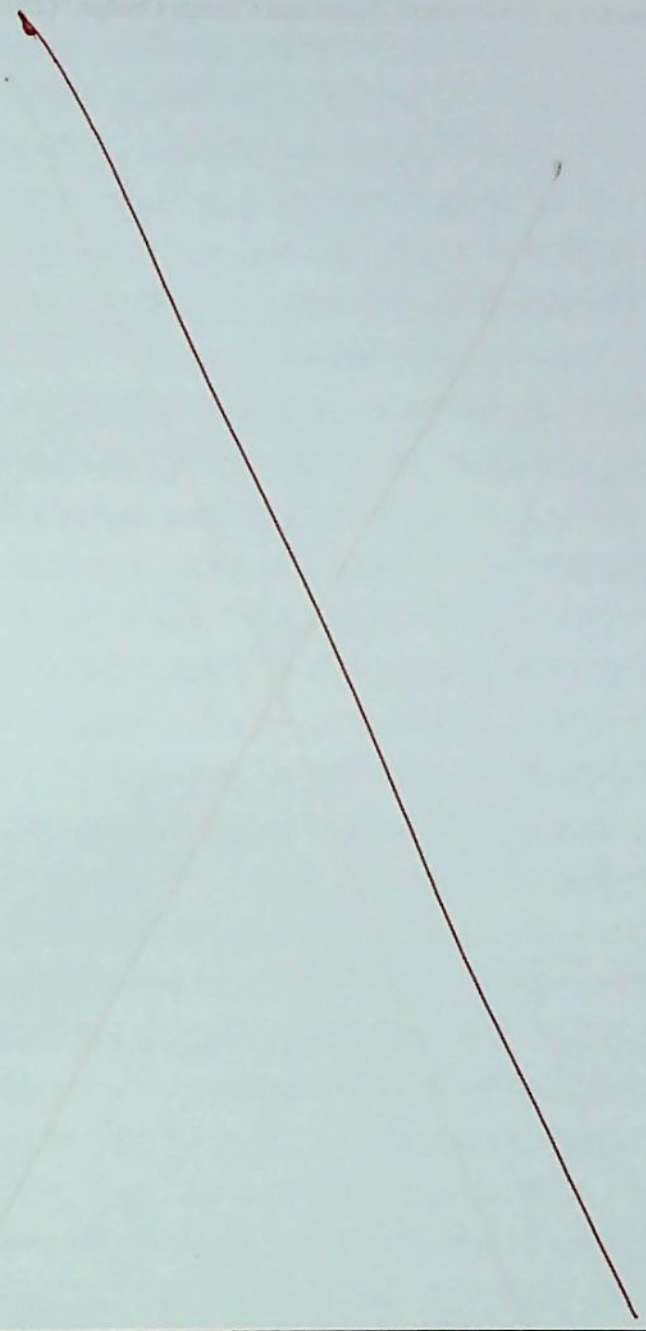

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	2.5	2.5	0.5	0.5	0.5	✓
Grade	D	B	B	B	A	A	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. भारत दुनिया के सर्वाधिक आपदा प्रवण क्षेत्रों में से एक है, जिसका लगभग 85% क्षेत्र एक या कई आपदाओं के प्रति सुभेद्य है एवं 22 राज्य व केंद्रशासित क्षेत्र इससे आक्रांत हैं। उक्त कथन के संदर्भ में भारत के आपदा प्रवणता की स्थिति की व्याख्या करें। (250 शब्द) 15

India is one of the most disaster prone regions of the world, whose almost 85% area is vulnerable to one or more types of disasters and 22 states and Union territories are affected by this. In the context of above statement explain the disaster susceptibility of India. (250 words) 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

0

भारत भौगोलिक विविधताओं वाला देश है जहाँ एक ओर हिमालय विराजमान है तो दूसरी ओर समुद्र। यहाँ मरुस्थल भी है, मैदान भी हैं और पहाड़ भी। मानसूनी जलवायु यहाँ की अद्वितीय विशेषता है। इतनी विशेषताएँ होने के बाद स्वाभाविक है कि

पूरा और स्पष्ट उत्तर लिखने का प्रयास करें।

मॉडल उत्तर देखें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spa

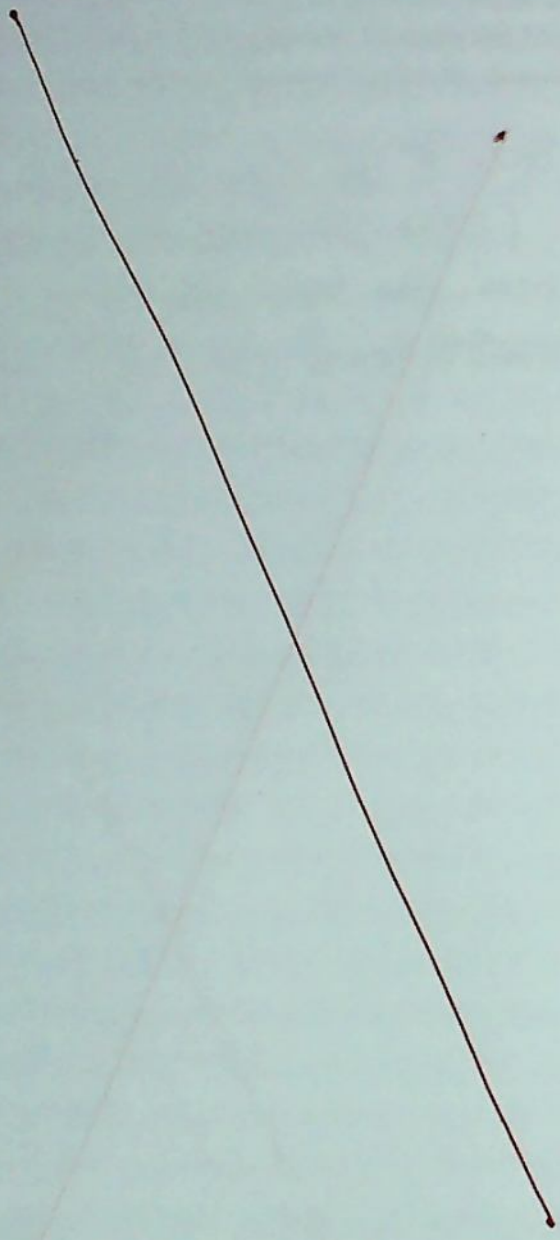

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0	0	0	0	X
Grade	D			D	D	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation